भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

31 जनवरी 2025, शनिवार

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और बागडोगरा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु

पश्चिम बंगाल में 50% से अधिक वोट शेयर से भाजपा सरकार बनेगी, भाजपा सरकार आते ही 45 दिनों में सीमा पर फेंसिंग होगी

****

चिकन नेक को काटने की सोचने वालों से मैं कहना चाहता हूँ कि यह तुम्हारे पिताजी की नहीं, भारत की भूमि है, कोई इसे हाथ तक नहीं लगा सकता

****

इंडी अलायंस वाले, चिकन नेक को काटने की बात करने वालों को जेल से निकालने के लिए कोर्ट में केस लड़ रहे हैं

****

हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी ममता बनर्जी बॉर्डर फेंसिंग के लिए भूमि नहीं देंगी, क्योंकि उनका वोट बैंक घुसपैठिए हैं

****

वोट बैंक के लिए 'वंदे मातरम्' का विरोध कर ममता बनर्जी बंगाल की अस्मिता और देश के स्वाभिमान का विरोध कर रही हैं

****

मोदी जी द्वारा पश्चिम बंगाल की जनता के कल्याण के लिए भेज गया फंड TMC के सिंडिकेट की भेंट चढ़ जाता है

****

आनंदपुर मोमो फैक्ट्री में आगजनी, जिसमें 25 लोगों को जान ग्वानी पड़ी, वे ममता सरकार के भ्रष्टाचार का नतीजा है, इसकी निष्पक्ष जाँच हो

****

2026 का साल टीएमसी को टाटा-बाय बाय कहने का साल है

****

बंगाल में समाज को आपस में लड़ाकर सामाजिक एकता को तहस-नहस ममता बनर्जी और TMC ने किया है

****

'माँ, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता दीदी के राज्य में आज ये तीनों असुरक्षित हैं

****

कम्युनिस्टों की लाल और TMC की हरी सरकार लाने वाले बंगालवासी, एक बार भाजपा की केसरिया सरकार ला दें, घुसपैठिए खदेड़े जाएंगे

****

मतुआ समाज के लोगों को डरने की कोई जरूरत नहीं है, आपके वोट को कोई छू नहीं सकता

****

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज शनिवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। श्री शाह ने आनंदपुर वेयरहाउस में मोमो फैक्ट्री अग्निकांड में शहीद श्रमिकों को श्रद्धांजलि देते हुए इसे ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार का परिणाम बताया। केंद्रीय गृह मंत्री ने बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के शासन में घोटाले, घुसपैठ और प्रशासनिक विफलताओं का आरोप लगाया। श्री शाह ने वंदे मातरम के विरोध को बंगाल और भारत की अस्मिता पर हमला बताया। श्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर घुसपैठ, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट समाप्त होंगे, विकास और सुरक्षा सुनिश्चित होगी, तथा शहीद कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मंच पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री समीक भट्टाचार्य, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री श्री शांतनु ठाकुर, पूर्व सांसद श्री अर्जुन सिंह समेत अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि आनंदपुर वेयरहाउस स्थित मोमो फैक्ट्री में लगी आग में मारे गए सभी श्रमिकों को श्रद्धांजलि। आनंदपुर वेयरहाउस में हुआ यह अग्निकांड कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार का परिणाम है। यह वर्ष 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का वर्ष है। बंगाल की महान भूमि के सुपुत्र बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अंग्रेजों के खिलाफ जनचेतना जगाने के लिए 'वंदे मातरम' की रचना की थी, जो देखते ही देखते स्वतंत्रता संग्राम का गीत और नारा बन गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसे गाए जाने के बाद पूरे भारतवर्ष में आजादी के लिए संघर्ष करने वाले लोगों ने 'वंदे मातरम' को स्वतंत्रता का उद्घोष बना दिया। स्वतंत्रता संग्राम में जितने भी लोग शहीद हुए, जिन्हें फांसी पर चढ़ाया गया, उन सभी के मुख से अंतिम शब्द 'वंदे मातरम' ही निकले। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इसे पूरे देश में मनाने का निर्णय किया है। एक बार फिर बंगाल की धरती से उठा वंदे मातरम का नारा कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से बंगाल तक पहुंचाने का निर्णय हमारे नेता आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि यह एक विडंबना है कि जिस वंदे मातरम का उद्भव बंगाल की माटी से हुआ और जिसकी रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की, उसी वंदे मातरम पर जब संसद में चर्चा हो रही थी, तब ममता बनर्जी के सांसद उसका विरोध कर रहे थे। वंदे मातरम का विरोध बंगाल की भूमि सहन नहीं कर सकती। यह संदेश बंगाल के जन-जन तक, हर एक मतदाता और हर एक नागरिक तक पहुंचाया जाना चाहिए कि वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति व घुसपैठियों को खुश करने के लिए ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस वंदे मातरम का विरोध कर रही है। ममता बनर्जी यह समझ लें कि वंदे मातरम का विरोध करके वे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नहीं, बल्कि बंगाल की अस्मिता और भारत के स्वाभिमान का विरोध कर रही हैं। बंगाल की जनता अपनी अस्मिता का विरोध सहन कर सकती। बंगाल की अस्मिता का विरोध करने वाली तृणमूल कांग्रेस को अगले चुनाव में मूल समेत उखाड़ फेंकने की आवश्यकता है और राज्य में राष्ट्रभक्तों की सरकार बनाने की जरूरत है।

श्री शाह ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि अभी बंगाल में सार्वजनिक सभा करने के लिए हाईकोर्ट की मनाही है। इसी कारण बंगाल भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रकार के क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। अभी सभी मंचों से हमारे वक्ता कह रहे थे कि अगली सरकार भाजपा की सरकार होगी। इसका एक स्पष्ट संकेत यह है कि तृणमूल कांग्रेस की जितनी सभाएँ होती हैं, उतने ही हमारे कार्यकर्ता सम्मेलन दिखाई पड़ रहे हैं। यही बताता है कि ममता दीदी के जाने का समय आ गया है। बंगाल की इस ऐतिहासिक भूमि ने हर कालखंड में भारत के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मगर करीब-करीब साढ़े चार दशक से बंगाल लगातार पिछड़ता गया। पहले कम्युनिस्ट पार्टी ने बंगाल को पीछे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और फिर ममता बनर्जी आईं, उन्होंने 'माँ, माटी, मानुष' का नारा दिया, लेकिन आज यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि ममता बनर्जी से तो कम्युनिस्ट ही बेहतर थे। ममता बनर्जी ने प्रदेश को बांटने का काम किया। कहीं गोरखाओं को बंगालियों से लड़ाया गया, कहीं आदिवासियों को कुड़मियों से, कहीं राजवंशियों को आदिवासियों और बंगालियों से।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि निर्वाचन आयोग के साथ भी ममता बनर्जी के अधिकारी सहयोग नहीं करते, जबकि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह सहयोग करेगी और मतदाता सूची के सुदृढ़ीकरण में हर संभव सहायता देगी। समस्या केवल बाड़ के लिए भूमि न देने तक सीमित नहीं है, एम्स के लिए भूमि, बागडोगरा एयरपोर्ट का विस्तार और रेलवे परियोजनाएं ममता बनर्जी ने रोक रखी हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने चाय बागान श्रमिकों के लिए जो योजनाएं शुरू कीं, उनका लाभ असम में मिला, लेकिन बंगाल में नहीं, क्योंकि ममता बनर्जी भूमि का अधिकार देने के बजाय छोटे-छोटे घर देने की सोच रखती हैं। भारतीय जनता पार्टी असम की

तर्ज पर बंगाल में भी चाय बागान श्रमिकों को उनकी भूमि का अधिकार देगी। चाय बागानों को निजी कंपनियों को देने और उत्तर बंगाल की पहाड़ियों को काटने का बड़ा षड्यंत्र भी चल रहा है। यह सब रोकना है तो केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही इसे रोक सकती है।

श्री शाह ने कहा कि आनंदपुर में लगी आग कोई हादसा नहीं है। इस घटना में 25 लोगों की जान गई है और 27 लोग लापता हैं। यह कांड क्यों हुआ? मोमो फैक्ट्री के मालिक में किसका पैसा लगा है? वे किसके नजदीकी हैं और किसके साथ विमान में बैठकर विदेश यात्राएं कर चुके हैं? अब तक मोमो फैक्ट्री के मालिक की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई है? आज 25 लोग मारे गए हैं और 27 लोग लापता हैं। ममता बनर्जी यह जवाब दें कि यदि ये लोग घुसपैठिए होते तो क्या आपकी प्रतिक्रिया ऐसी ही होती? बंगाल के नागरिक मारे गए हैं और इसमें वोट बैंक की राजनीति क्यों की जा रही है? ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए। बंगाल की मुख्यमंत्री से यह मांग है कि इस घटना की तटस्थ और न्यायिक जांच कराई जाए तथा इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सबसे पहले जेल की सलाखों के पीछे डाला जाए। श्री शुभेंदु अधिकारी और श्री समीक भट्टाचार्य जब पीड़ित परिवारों से मिलने गए और जब भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध किया गया तो पुलिस ने उनके साथ बर्बरता की। ममता बनर्जी की पार्टी और सरकार का भ्रष्टाचार अब छिप नहीं सकता। आनंदपुर वेयरहाउस का अग्निकांड चीख-चीख कर कहता है कि इसमें ममता बनर्जी के लोग शामिल हैं। 32 घंटे बाद कोई मंत्री वहां नहीं पहुंचा , पर्यावरण की एनओसी नहीं थी, वेटलैंड पर गोदाम बनाया गया था और गोदाम बाहर से बंद था। यदि गोदाम बंद था तो उसे क्यों बंद किया गया? जब अंदर लोग जलते रहे, मरते रहे और चीखते रहे, लेकिन बाहर नहीं आ पाए। ममता बनर्जी, यदि पर्दा डालना है तो डाल लें, लेकिन अप्रैल के बाद जब भाजपा सरकार आएगी तो अग्निकांड के आरोपियों को चुन-चुनकर जेल की सलाखों के पीछे डाला जाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हर तरह से बंगाल में प्रशासन समाप्त हो चुका है और वर्ष 2026 तृणमूल कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कहने का साल है। बंगाल की जनता कम्युनिस्टों से मुक्ति पाने के लिए तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में लाई थी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा शासन दिया कि कम्युनिस्ट भी अच्छे लगने लगे। बंगाल में कट मनी, भतीजे की दादागिरी, पुलिस का दुरुपयोग और घुसपैठ की एक पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। पिछली बार जब मैं बंगाल आया था, तब मैंने कहा था कि राज्य में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनने वाली है, उस समय ममता बनर्जी मेरे इस बयान का मजाक उड़ा रही थीं। जब प्रभु श्री राम ने राम सेतु का निर्माण किया था, तब रावण भी यही सोचता था कि क्या इस तरह उसे कोई उसे हरा सकता है? वर्ष 2014 में भाजपा को बंगाल में केवल दो सीटें मिली थीं, वर्ष 2019 में 41 प्रतिशत वोट के साथ 18 सीटें मिलीं, वर्ष 2024 में पार्टी को 39 प्रतिशत वोट मिले और 2021 के विधानसभा चुनाव में 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ श्री शुभेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता बने। अब 38 प्रतिशत से 45 प्रतिशत का जंप लगाना है और मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी का वोट शेयर 50 प्रतिशत से अधिक होगा तथा प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी।

श्री शाह ने कहा कि 2013 में त्रिपुरा में कम्युनिस्टों की सरकार थी और भारतीय जनता पार्टी को मात्र आधा प्रतिशत वोट मिला था। 2014 में आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने, त्रिपुरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया और 2018 तथा 2023 में लगातार दो-तिहाई बहुमत से त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। 2011 में असम में भाजपा शीर्ष तीन दलों में भी नहीं थी और केवल तीन विधायक थे। 2014 में आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने और 2015–16 में भाजपा का ऐतिहासिक सफर शुरू हुआ। 2016 में 86 सीटें और 2021 में 79 सीटों के साथ असम में भाजपा की सरकार बनी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में तीन दशक बाद पहली बार हमारे नेता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। वर्ष 2024 में ही आंध्र प्रदेश में एनडीए की सरकार बनी, ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बनी और अरुणाचल प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। वर्ष 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी 30 वर्षों के बाद भाजपा की सरकार बनी। वर्ष 2025 के अंत तक बिहार में भी प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सरकार बनी। वर्ष 2026 में केरल में त्रिवेंद्रम कॉरपोरेशन में पहली बार भाजपा की जीत हुई और मुंबई कॉरपोरेशन सहित महाराष्ट्र के सभी म्युनिसिपल कॉरपोरेशनों में ममता बनर्जी के इंडी गठबंधन का पूरी तरह सफाया हो गया। अब बारी बंगाल की है। मां, माटी और मानुष का नारा देकर ममता बनर्जी सत्ता में आई थीं, लेकिन आज स्थिति यह है कि मां असुरक्षित है, महिलाओं की सुरक्षा का कोई ठोस ठिकाना नहीं है, माटी यानी भूमि को घुसपैठियों ने हजम कर लिया है और मानुष ममता बनर्जी की सिंडिकेट से परेशान है। मां, माटी और मानुष तीनों की रक्षा करनी है, तो वंदे मातरम का सम्मान करने वाली कमल फूल वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी पड़ेगी।

श्री शाह ने कहा कि पहले तो मुझे समझ में ही नहीं आया कि वंदे मातरम् का विरोध क्यों किया जा रहा है। वंदे मातरम् का विरोध कैसे हो सकता है, जबकि सभी दलों और सभी राजनीतिक पार्टियों को इसका महिमामंडन करना चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद से पूछा कि आप लोग वंदे मातरम् का विरोध क्यों कर रहे हैं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी बंगाल के थे और यह

बंगाल के लिए एक महान उपलब्धि है। इस पर उस सांसद ने कहा कि उनकी घुसपैठिया वोटबैंक वंदे मातरम् से नाराज है, इसलिए वे इसका विरोध कर रहे हैं। वोटबैंक के लिए वंदे मातरम् का विरोध करना शर्मनाक है, और बंगाल की जनता इस कृत्य को माफ़ नहीं करेगी तथा 2026 के चुनाव में इसका पूरा हिसाब लेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि ने कहा कि एक आदिवासी सांसद को सरेआम पीटा गया, गोरखा भाइयों पर सैकड़ों मुकदमे दर्ज कर उन्हें परेशान किया गया, संवाद करने के बजाय उनका दमन किया गया। चाहे कोच राजवंशी हों, कुड़मी हों, आदिवासी हों, बिहार से जुड़े लोग हों, गोरखा भाई हों या बंगाली, ममता दीदी के राज्य में मानुष सुरक्षित नहीं है। 2026 के चुनाव में ममता बनर्जी को हटाना है। केवल हटाना ही नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना है, जिसने पूरे बंगाल को तहस-नहस कर दिया है। 2026 का वर्ष बंगाल के लिए परिवर्तन का वर्ष सिद्ध होने वाला है।

श्री शाह ने कहा कि 2016 में भाजपा को केवल 10 प्रतिशत वोट और तीन सीटें मिली थीं, जबकि 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 38 प्रतिशत वोट और 70 सीटों तक पहुंच गया। श्री शुभेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता के रूप में बैठे हैं, कांग्रेस और कम्युनिस्ट शून्य की ओर पहुंच रहे हैं और भाजपा का वोट चार गुना बढ़ चुका है। अब केवल 38 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक पहुंचना है। उत्तर बंगाल यह काम कर देगा, जहां 28 सीटें हैं। भले ही वे 2026 में पहली बार उत्तर बंगाल आया हूं, लेकिन यहां की राजनीतिक परिस्थिति से मैं भली-भांति परिचित हूं और इस बार 28 में से 28 सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतने जा रही है। 2024 के चुनाव में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हैट्रिक लगाकर तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बनी, हरियाणा में हैट्रिक लगी, महाराष्ट्र में हैट्रिक लगी, बिहार में पांचवी बार जीत हासिल हुई, अरुणाचल प्रदेश में हैट्रिक लगी, सिक्किम में दूसरी बार, आंध्र प्रदेश में दूसरी बार और दिल्ली में 30 वर्षों बाद पहली बार विजय प्राप्त हुई। आज देशभर में भाजपा और एनडीए की 21 सरकारें हैं। इन 21 सरकारों के बावजूद बंगाल की धरती पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा भाजपा के 60 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई है। क्या भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता यह सब सहन कर सकता है? क्या उत्तर बंगाल का कार्यकर्ता यह सहन कर सकता है? 21 सरकारें बनाने के बाद भी देशभर के कार्यकर्ताओं और हमारे नेता आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दिल में तब तक सुकून नहीं होगा, जब तक बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं बनती। असली मुस्कान उस दिन आएगी, जिस दिन बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस बार बंगाल में सरकार बनाना केवल पश्चिम बंगाल के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए आवश्यक है। जिस तरह पश्चिम बंगाल में घुसपैठ चल रही है, वह केवल राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि वहां से हो रही घुसपैठियों की फौज पूरे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी है। क्या घुसपैठियों को रोका नहीं जाना चाहिए? ममता बनर्जी यह कहती हैं कि केंद्र सरकार क्या कर रही है? जबकि मैंने संसद में स्पष्ट जवाब दिया था कि बाड़ लगाने और फेंसिंग करने के लिए ममता बनर्जी सरकार केंद्र को भूमि नहीं दे रही है। भूमि न मिलने के कारण फेंसिंग का काम पूरा नहीं हो पा रहा है। नदी-नालों और दुर्गम पहाड़ी रास्तों से आने वाले घुसपैठियों को न तो राज्य का पटवारी रोकता है और न ही पुलिस, बल्कि फर्जी दस्तावेज बनाकर उन्हें पूरे देश में भेज दिया जाता है। जब मैंने संसद में इस विषय पर भाषण दिया था, तब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने इसका विरोध किया था। हाल ही में कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश से उन्हें संतोष हुआ है, जिसमें बीएसएफ को 31 मार्च 2026 से पहले पूरी भूमि देने का निर्देश दिया गया है। हाई कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया है कि ममता बनर्जी सरकार भूमि देने में सहयोग नहीं कर रही है और घुसपैठ रोकने में उसकी कोई रुचि नहीं है। यह ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा झटका है। कोई यह भ्रम न पाले कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद ममता बनर्जी भूमि दे देंगी, क्योंकि उनका वोट बैंक वही घुसपैठिए हैं। 31 मार्च तक ममता बनर्जी भूमि दें या न दें, अप्रैल के अंत तक भाजपा का मुख्यमंत्री 45 दिनों में पूरी बाड़ का काम पूरा कर देगा। यह बंगाल की जनता से भाजपा का वादा है और पार्टी ने पहले भी ऐसे वादे करके दिखाए हैं। असम में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब घुसपैठ नहीं रुकती थी, लेकिन जैसे ही असम में भाजपा की सरकार बनी, वहां घुसपैठ रुक गई। गुजरात में भाजपा की सरकार है, वहां घुसपैठ नहीं होती, राजस्थान में भी भाजपा की सरकार है और वहां भी घुसपैठ नहीं होती। बंगाल के नागरिकों ने लाल सरकार भी बना कर देख ली और तृणमूल की हरी सरकार भी बना कर देख ली है। अब एक बार भाजपा के केसरिया को मौका दीजिए, हम घुसपैठ को रोककर दिखाएंगे।

श्री शाह ने कहा कि ममता बनर्जी हाई कोर्ट के फैसले को भी मानने वाली नहीं हैं। ममता बनर्जी के शासन में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया गया है और भ्रष्टाचार से जुड़े अनेक मामले सामने आए हैं। इसके बावजूद ममता बनर्जी यह कहती हैं कि भ्रष्टाचार कहन है? कैश फॉर क्वेरी घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, एसएससी घोटाला, नगर पालिका और नगर निगम भर्ती घोटाला, गाय तस्करी घोटाला, शासन से जुड़ा घोटाला, मनरेगा घोटाला और प्रधानमंत्री आवास योजना घोटाले जैसे मामलों में हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है, लेकिन ममता बनर्जी को यह दिखाई नहीं देता। ममता बनर्जी को यह इसलिए दिखाई नहीं देता क्योंकि भतीजे के मोह और उसे मुख्यमंत्री बनाने की लालसा ने उनकी आंखों पर मोतियाबिंद आ चुका है, लेकिन बंगाल की जनता जब इस मोतियाबिंद का ऑपरेशन कर देगी, तब सब कुछ साफ दिखाई देने लगेगा। बंगाल में भ्रष्टाचार सारी सीमाएं पार कर गया है। बंगाल की जनता सिंडिकेट से परेशान है और

विकास का पैसा तृणमूल के गुंडों के हाथों में जा रहा है। पार्थ चटर्जी, ज्योति प्रिय मलिक, अनुव्रत मंडल, जीवन कृष्ण साहा, माणिक भट्टाचार्य, अजीत मैती, मदन मित्रा, चंद्रनाथ सिन्हा, परेश पाल, कुंतल घोष, अराबुल इस्लाम, फिरहाद हकीम, शोभन चटर्जी और कुणाल घोष जैसे कई नेता जेल जा चुके हैं। बाकी काम सरकार बनने के बाद अपने आप पूरा हो जाएगा और कार्यकर्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। आज हम ममता बनर्जी को खुली चुनौती देकर जा रहे हैं कि यदि उनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत है, तो वे इन लोगों को टिकट न देकर दिखाएं। ममता बनर्जी यह हिम्मत नहीं कर पाएंगी, क्योंकि यदि अनुव्रत मंडल, पार्थ चटर्जी, अजीत मैती, मदन मित्रा, कुंतल घोष और हकीम जैसे लोगों को टिकट नहीं दिया गया, तो वे भतीजे का नाम उजागर कर देंगे। हम बंगाल की जनता से यह कहकर जा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश की अध्यक्षता में सभी भ्रष्टाचार मामलों की जांच कराई जाएगी और एक-एक भ्रष्ट व्यक्ति को चुन-चुनकर जेल में डालने का काम किया जाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि उत्तर बंगाल और सिलीगुड़ी भारतीय जनता पार्टी का अभेद्य गढ़ है। सिलीगुड़ी का यह क्षेत्र पूरे देश को अत्यंत प्रिय है। बंगाल की इस भूमि से देश को वैसे ही प्रेम है, लेकिन सिलीगुड़ी इसलिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यही नॉर्थ ईस्ट जाने का मुख्य मार्ग है। कुछ दिन पहले दिल्ली में कुछ लोगों ने नारे लगाए कि वे चिकन नेक को काट देंगे। कैसे काटेंगे? क्या यह किसी की निजी भूमि है? यह भारत की भूमि है और कोई इसे छू भी नहीं सकता। दिल्ली पुलिस ने ऐसे लोगों को जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया और इंडी अलायंस के लोग उन्हें छुड़ाने के लिए पीछे पड़ गए, यहां तक कि उनके सांसद सुप्रीम कोर्ट तक पैरवी करने पहुंचे, लेकिन अंत में सत्य की जीत हुई और सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी जमानत खारिज कर दी। इनके इरादे कभी सफल नहीं होने वाले हैं। आज इस क्षेत्र की 28 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तरह सक्रिय हैं। भारतीय जनता पार्टी चुनाव केवल सभाओं, रेडियो या रोड शो से नहीं जीतती, बल्कि भाजपा को चुनाव बूथ का कार्यकर्ता जिताता है। मेरा बूथ सबसे मजबूत, इस मंत्र को साकार करते हुए सभी को आगे बढ़ना है। बूथ का सशक्तिकरण ही हमारी विजय का मंत्र है और उत्तर बंगाल के साथ जो अन्याय हुआ है, उसकी भरपाई भी इसी संकल्प से होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2024–25 में 3,67,000 करोड़ रुपये का बजट पेश हुआ, लेकिन उत्तर बंगाल को केवल 561 करोड़ रुपये मिले। इसका अर्थ यह है कि उत्तर बंगाल को उसकी आवश्यकता के अनुसार हिस्सा नहीं दिया गया। जबकि उत्तर बंगाल का क्षेत्रफल पूरे बंगाल का लगभग 24–25 प्रतिशत है, उसे कम से कम 25 प्रतिशत बजट मिलना चाहिए था। इसके बजाय बहुत कम राशि दी गई। ममता बनर्जी इसका जवाब नहीं देंगी। इससे कहीं अधिक धन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उत्तर बंगाल के विकास के लिए भेज दिया है। ममता बनर्जी की नजर में उत्तर बंगाल केवल सोने के अंडे देने वाली मुर्गी है, लेकिन यह अधिक समय तक चलने वाला नहीं है। क्षेत्रफल और आबादी के अनुसार जो वाजिब बजट उत्तर बंगाल का हक है, उससे एक रुपये अधिक बजट भी दिया जाएगा और किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बंगाल के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। 12 नई ट्रेनें दी गई हैं और लगभग 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि बंगाल सरकार को भेजी गई है। यह सारा पैसा जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भेज रहे हैं, वह तृणमूल कांग्रेस की सिंडिकेट के हाथों में चला जाता है। यदि भाजपा की सरकार बनी, तो यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा भेजा गया पूरा पैसा सीधे बंगाल के गांव और गरीबों तक पहुंचेगा। बंगाल के कार्यकर्ताओं ने चुनावी रेजिंग के दौरान ममता बनर्जी की पार्टी के अत्याचार झेले हैं। 60 से अधिक कार्यकर्ता मारे गए, सैकड़ों लोग घायल हुए, कई घर जल गए और कई लोग झूठे मामलों में जेल में रहे। आज मैं बंगाल की भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता से यह कहने आया हूं कि हम अपने शहीद कार्यकर्ताओं को याद करें और इस चुनाव में आज से लेकर काउंटिंग तक हर पल कमल निशान को समर्पित करें। बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बननी चाहिए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बंगाल को दस लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी है। जब कांग्रेस की सरकार थी और ममता बनर्जी उसका समर्थन करती थीं, तब दस वर्षों में केवल दो लाख करोड़ रुपये भेजे गए थे, जबकि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दस लाख करोड़ रुपये से अधिक भेजे हैं। यदि राशि आई थी तो वह गई कहाँ?यह दस लाख करोड़ रुपये तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट की भेंट चढ़ गए। यदि भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनता है, तो पहला काम सिंडिकेट वालों को जेल की सलाखों के पीछे डालना होगा। 2011 से 2025 के बीच बंगाल की 6,900 कंपनियां बंद हो गईं, जिनमें से 110 शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियां थीं और वे सभी बंगाल से बाहर चली गईं। यहां रेड कार्पेट की जगह कंपनियों से उगाही चल रही है और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।

श्री शाह ने कहा कि बंगाल की जनता ने कम्युनिस्टों को तीन दशक और फिर ममता बनर्जी को भी वर्षों तक अवसर दिया, लेकिन किसी ने बंगाल का भला नहीं किया। एक मौका भारतीय जनता पार्टी को दीजिए, हम स्वामी विवेकानंद, गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के स्वप्न का सोनार बांग्ला बनाकर देंगे। ऐसा बंगाल होगा जो घुसपैठियों से मुक्त होगा, जहां उद्योग आएंगे, भ्रष्टाचार के बिना

नौकरियां मिलेंगी, युवाओं को दूसरे राज्यों में जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, सिंचाई बढ़ेगी, सड़कें, रेलवे और एयरपोर्ट मज़बूत होंगे और पूरा बंगाल सुरक्षित बनेगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी और वे इसी बंगाल की माटी से निकले थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल को बचाया, अन्यथा पश्चिम बंगाल बांग्लादेश का हिस्सा होता। उन्होंने कश्मीर को बचाया और कश्मीर के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पार्टी देश के 21 राज्यों में सरकार बना चुकी है, लेकिन उन्हें 21 राज्यों से संतोष नहीं है। देश भर के कार्यकर्ता और हमारे नेता आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तभी संतोष और मुस्कान के साथ आगे बढ़ेंगे, जब 22वां राज्य बंगाल बनेगा। यही हमारे शहीद कार्यकर्ताओं को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, यही उनके परिवारों के प्रति सच्ची कृतज्ञता होगी और यही महान श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को वास्तविक श्रद्धांजलि होगी। इसे पूरा करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। वंदे मातरम के 150वें वर्ष में वंदे मातरम की भावना को पूरे देश में पहुंचाने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार बंगाल में बननी चाहिए और यही हम सबका लक्ष्य है।

श्री शाह ने कहा कि ममता बनर्जी मतुआ समाज और नामशूद्र समाज के लोगों को डराने का काम कर रही हैं। मतुआ समाज और नामशूद्र समाज के लोगों को डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। ममता बनर्जी उनके वोट को छू भी नहीं सकती। एसआईआर का विरोध ममता बनर्जी जितना करना चाहें करें, लेकिन एसआईआर एक न्यायिक प्रक्रिया के तहत चल रहा है और भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग का समर्थन कर रही है। मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना ही पड़ेगा और जो कुछ बचेंगे, उन्हें भाजपा का मुख्यमंत्री आकर निकाल देगा। ममता बनर्जी की सरकार को केवल बदलना नहीं है, बल्कि मूल समेत उखाड़कर फेंक देना है। बंगाल में ऐसी सरकार बनानी है जो घुसपैठ मुक्त हो, भ्रष्टाचार मुक्त हो, सिंडिकेट मुक्त हो, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे, उद्योगों को आगे बढ़ाए और कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी के स्वप्न का सोनार बांग्ला बनाए।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज से लेकर मतगणना तक मंच पर बैठे सभी लोगों समेत किसी को भी चैन से बैठना या सोना नहीं है और हर पल भारतीय जनता पार्टी तथा बंगाल की जनता की भलाई को समर्पित करना है। सभी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर, एक मज़बूत दल के रूप में, कमल का निशान, भारत माता की तस्वीर और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरक विचारों को मन में रखकर इस बार बंगाल जीतना है। उत्तर बंगाल की सभी सीटें कमल फूल जीतेगा और उत्तर बंगाल के विकास के लिए पूरी ताकत से काम किया जाएगा।

****